राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
NATIONAL SCHOOL OF DRAMA
(An Autonomous Institution of the Ministry of Culture, Govt. of India)

Guidelines for the interview

नीचे दिए गए आलेख को नाटकीय एकालाप के रूप में तैयार करें। आप अपनी पसंद के अनुसार गायन और नृत्य जोड़ सकते हैं।

Prepare the below as dramatic monologue. You may add singing and dancing as per your choice .

टुकड़े-टुकड़े हो बिखर चुकी मर्यादा
उसको दोनों ही पक्षों ने तोड़ा है
पाण्डव ने कुछ कम कौरव ने कुछ ज्यादा
यह रक्तपात अब कब समाप्त होना है
यह अजब युद्ध है नहीं किसी की भी जय
दोनों पक्षों को खोना ही खोना है
अन्धों से शोभित था युग का सिंहासन
दोनों ही पक्षों में विवेक ही हारा
दोनों ही पक्षों में जीता अन्धापन
भय का अन्धापन, ममता का अन्धापन
अधिकारों का अन्धापन जीत गया
जो कुछ सुन्दर था, शुभ था, कोमलतम था
वह हार गया....द्वापर युग बीत गया
यह महायुद्ध के अंतिम दिन की संध्या
है छाई चारों ओर उदासी गहरी
कौरव के महलों का सूना गलियारा
हैं घूम रहे केवल दो बूढ़े प्रहरी

अंधा युग (नाटक) : धर्मवीर भारती

****